एक नजर में

सावन में गूंजे वैदिक मंत्र, बरखेड़ा पंथ में महीनेभर हवन-यज्ञ

पिपलियामण्डी। सावन के पावन महीने में आर्य समाज बरखेड़ा पंथ के आंगन से पूरे महीने वेद मंत्रों की मधुर गूंज गूंजती रही। आर्य समाज पदाधिकारियों के सहयोग से प्रतिदिन हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण सुगंधित और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। समापन दिवस पर धार्मिक माहौल में पूर्व सरपंच प्रतिनिधि दिनेश कारपेंटर के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। कारपेंटर ने कहा कि पिछले 5 वर्षों से चल रही यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करती है, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और संस्कृति के संरक्षण का संदेश भी देती है। इस अवसर पर कन्हैयालाल कारपेंटर, बंशीलाल कारपेंटर, सुरेश आर्य, गोपाल आर्य, गोपाल रत्नावत, सुनील चडावत, अनुपम राठौर, दीपक पोरवाल, समरथ पाटीदार, मधुसूदन पाटीदार, बंशीलाल पाटीदार, महेश चडावत, भगवतीप्रसाद माकनिया, मोहनलाल तेलकार, अनूप राठौर, दिनेश पवार, सुनील पाटीदार, अशोक गायरी, शांतिदेवी आर्य, सुंदर देवी आर्य, अयोध्या देवी आर्य, जगदीश माकनिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अट्ठम तप आराधना को आचार्य निपूर्णरत्न विजय मसा की स्वीकृति

पिपलियामण्डी। पोषदशमी महोत्सव के अंतर्गत बही तीर्थ पर आयोजित त्रिदिवसीय महोत्सव एवं अट्ठम तप आराधना हेतु आचार्य निपूर्णरत्न विजय मसा की निश्रा की स्वीकृति प्राप्त हुई है। तीर्थ अध्यक्ष अशोक कुमठ ने बताया कि बही ट्रस्ट मंडल ने मंदसौर के रुपचंद आराधना भवन में विराजित आचार्य से निवेदन किया, जिस पर आचार्य ने स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने बताया कि 30 आराधक तीर्थ पर रहकर उपवास के साथ आराधना करेंगे। इस अवसर पर शेतानमल रांका, दिलीप डांगी, रमेश जैन, योगेश पटेल, प्रेमप्रकाश पगारिया, आशीष कोठारी, संदीप धींग, मनोज जैन, सोनू जैन, प्रभुलाल छाजेड़ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना अ के अंतर्गत नई योजना का पहला सोलर पावर प्लांट लगा मंदसौर जिले में

मंदसौर। प्रधानमंत्री कुसुम योजना अ के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आवंटित पीपीए 3.25 प्रति यूनिट 1.0 मेगावाट मध्यप्रदेश का पहला सोलर पावर प्लांट ग्राम पलासिया तहसील दलौदा जिला मंदसौर में ठा. दिलिप सिंह सिसोदिया, नरेन्द्र सिंह सिसोदिया, डॉ.हेमंत सिंह सिसोदिया के यहां लगा।

10 अगस्त रविवार को माँ बानेश्वरी सोलर पार्क की शुरूआत की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता व समाजसेवी डॉ हमीर सिंह राठौर जावरा, मन्दसौर विधायक विपिन् जैन, पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, जनपद पंचायत सदस्य शिवराज सिंह राणा घाटावदा, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व भारतीय स्टेट बैंक कृषि वाणिज्य शाखा ब्रांच के पदाधिकारी रवि दुग्गड, मप्रविम के अधीक्षण यंत्री आर सी जैन व सिसोदिया परिवार की उपस्थिति में हुआ। विजेंद्र सिंह सिसोदिया, लोकेन्द्र सिंह सिसोदिया व शिवराज सिंह सिसोदिया ताजखेड़ी के द्वारा सोलर कार्य पूर्ण किया गया। आपने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र मे किसानो को औद्यागिक क्रांति से जोड़कर खेती को लाभ में परिवर्तन किया उसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार। क्षेत्र के अन्य किसानों को भी इसे समझना चाहिए और अपनाना चाहिए। उक्त जानकारी बाणेश्वरी सोलर पावर के सहयोगी एवं कुसुम अ के आवेदन करता यदुराज सिंह चन्द्रावत द्वारा दी गई।

खेरखेड़ा में 80 वर्षों से चली आ रही भागवत कथा परंपरा सम्पन्न

पिपलियामण्डी। सावन माह के पवित्र अवसर पर ग्राम खेरखेड़ा में पिछले 80 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही श्रीमद्भागवत कथा एवं भव्य भंडारे का आयोजन इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। पंडित गोरीशंकर शर्मा के मुखारविंद से कथा का दिव्य श्रवण कराया गया, जिसमें ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कथा के दौरान विभिन्न धार्मिक झांकियों का सुंदर प्रदर्शन किया गया, जिनमें शिव-पार्वती विवाह, वामन भगवान की लीला, कृष्ण जन्मोत्सव विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मटकी फोड़ कार्यक्रम में कृष्ण जन्म की झांकी के साथ श्रद्धालुओं को माखन वितरित किया गया। रुक्मिणी विवाह प्रसंग में सभी ग्रामवासियों द्वारा 'हिसावन' (हतेरा) दान की परंपरा निभाई गई। कथा के विश्राम पर पोथी यात्रा निकाली गई, जिसमें भक्तों ने जयकारों और भक्ति गीतों के साथ नगर भ्रमण किया। समापन पर रविवार को प्रात: भ्रमभोज का आयोजन हुआ।

नरसिंह घांट मुक्तिधाम का कायाकल्प करने पर नगर परिषद का आभार व्यक्त किया

नवभारत न्यूज

भानपुरा। नगर भानपुरा के बिल्ली तालाब मार्ग स्थित नरसिंह घाट मुक्तिधाम में कुछ माह पहले आए आंधी-तूफान के कारण शमशान घाट पर लगे चद्दर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर उड़ गए थे एवं लंबे समय से वर्षा काल में शवदाह स्थल पर शवों का अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो गया था, या शवों को काफी दूर छोटे महादेव मार्ग स्थित शमशान घाट पर ले जाना पड़ रहा था, इसके चलते श्री सनातन धर्म मंडल भानपुरा द्वारा नगर परिषद अध्यक्ष विनोद शिव भानपिया मुख्य नगर पालिका अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा व परिषद के पार्षदों से शमशान घाट में चद्दर लगाने व क्षतिग्रस्त चबूतरा मरम्मत की मांग की गई थी

इस पर नगर परिषद द्वारा शमशान घाट की समस्या पर ध्यान देकर शमशान घाट में नए चद्दर व आवश्यक लोहा गाडर तथा चबूतरे के प्लेटफॉर्म को ऊंचा उठाकर शमशान घाट का बेहतर कायाकल्प कर दिया गया है। इस पर सकल हिंदू समाज की सर्वोच्च संस्था श्री सनातन धर्म मंडल भानपुरा व मुक्ति धाम विकास समिति ने नगर परिषद अध्यक्ष विनोद शिव भानपिया व मुख्य नगर पालिका अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा तथा पार्षद गणों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव शुरू

इंदौर. निपानिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय श्री कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर पर जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ मंदिर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास प्रभु के सानिध्य में अभिषेक, भजन एवं भागवत कथा की त्रिवेणी के साथ हुआ. सुबह भगवान बलराम, श्रीकृष्ण एवं सुभद्रा के पंचामृत और फलों के रस से अभिषेक के पश्चात यूरोप से आए नंदूलाल प्रभु, श्यामा माता एवं 15 वर्षीय मालिनी माता ने सरल हिन्दी में मनोहारी भजन प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया. उन्होंने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे... और अच्युतम केशवम जैसे भजनों की प्रस्तुतियां दी.

एक नजर | प्रवचन के दौरान क्षुल्लक श्री 105 क्षेमंकर नंदी जी महाराज भी उपस्थित रहे

नए मंदिर बनाकर पुराने मंदिरों को भूलना ही महा पितृ दोष की श्रेणी में आता है- आचार्य विभक्त सागर

नवभारत न्यूज

मंदसौर। आज जगह जगह हर कालोनी में नए नए मंदिर बनते जा रहे,जबकि जो पुराने प्राचीन मंदिर है उनसे समाज दूर होता जा रहा है,आज मंदिरों की धूल तक साफ नहीं हो रही है,यही मनुष्य की परेशानी का सबसे बड़ा कारण है,या यूं कहे कि यही महा पितृदोष है। यह बात धर्म सभा में द्वितीय पट्टाचार्य, राष्ट्र संत एवं स्पष्ट प्रवक्ता दिगम्बर जैन संत आचार्य 108 श्री विभक्त सागर जी महाराज ने कही। प्रवचन के दौरान क्षुल्लक श्री 105 क्षेमंकर नंदी जी महाराज भी उपस्थित रहे। संत श्री वर्षा योग अवसर पर नाकोडा नगर स्थित आचार्य 108 सम्मति कुंज संत निवास पर विराजित है। धर्म सभा से पूर्व दीप प्रज्वलन समाज सेवी राजमल जैन (अंकित), विजयेंद्र सेठी,जयंती लाल जुआ, दिल्ली,भवानी मंडी से पधारे भक्तों ने किया। शास्त्र भेंट महिला मंडल द्वारा किया गया।संचालन श्रीमती संतोष सेठी ने किया,मंगलाचरण श्रीमती डॉ कुसुम पोरवाल ने किया। मुनिश्री ने पितृ दोष एवं महा पितृदोष की व्याख्या करते हुए कहा कि अपनों से बड़े बुजुर्गों का अपमान करना ही पितृदोष है,जबकि उन्हीं बुजुर्गों ने जो मंदिर बनाए थे और सोचा था कि उनके बाद उनकी आने वाली पीढ़ी इन मंदिरों की सुरक्षा और संरक्षित करेगी,लेकिन आज उन मंदिरों का जो अपमान हो रहा है यही महा पितृदोष का कारण है। बड़े बुजुर्गों का सम्मान और पुराने मंदिरों की देखभाल सुरक्षा करना प्रारंभ कर दीजिए ,जीवन से दोनों प्रकार के दोष दूर हो जाएंगे,ओर जीवन खुशहाल हो जाएगा। जो पुराने मंदिर है उनका अतिशय अधिक होता है। मुनिश्री ने कहा किआज की युवा पीढ़ी देव दर्शन करना भूलती जा रही है । माता पिता का कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों को मंदिर भेजे,पूजा पाठ अभिषेक करवाए। धर्मसभा में प्रमुख रूप से नंदकिशोर अग्रवाल,अभय मादावत,तेजमल जैन,बाबूलाल जैन भोलिया, सूरजमल जैन कुलथाना सहित दिल्ली,भवानी मंडी,जावरा समाज जन आदि उपस्थित थे।

एक नजर में

इंद्रदेव को प्रसन्न करने वाली मिठाई इन्द्रसे

नीमच। नगर में राखी के त्योहार पर इन्द्रसे नामक विशेष मिठाई का महत्व बढ़ जाता है। यह मिठाई केवल बारिश के मौसम में ही बनाई जाती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस मिठाई का भोग लगाने से वर्षा के देवता इंद्र प्रसन्न होते हैं। इससे अच्छी बारिश होती है। इन्द्रसे की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सिर्फ नीमच में ही बनती है। यह केवल बारिश के दिनों में ही उपलब्ध होती है। भाई-बहन के पर्व पर इस मिठाई का विशेष महत्व है। इसी कारण इसे बरसाती या मौसमी मिठाई भी कहा जाता है। यह कुरकुरी मिठाई चावल, शकर, देशी घी और मैदा से बनाई जाती है। स्वाद में यह बेहद लाजवाब होती है। बारिश का मौसम शुरू होते ही इसका निर्माण आरंभ हो जाता है। यह मौसम के अंत तक चलता रहता है। राजस्थान से घिरे मध्य प्रदेश के नीमच जिले को अपने खानपान और मसालों के लिए जाना जाता है। यह सीआरपीएफ की जन्मभूमि के नाम से भी प्रसिद्ध है, लेकिन इन्द्रसे मिठाई ने इस शहर को एक अलग पहचान दी है। इस परंपरा की शुरुआत नीमच में लगभग 80 साल पहले हुई थी। आज भी यह निरंतर जारी है। वर्तमान में नीमच में कुछ ही दुकानें हैं, जहां यह विशेष मिठाई मिलती है। हर साल लोग बड़ी बेसब्री से इस मिठाई का इंतजार करते हैं। राखी जैसे त्योहारों पर इसकी मांग विशेष रूप से बढ़ जाती है।

20 साल वायुसेना में सेवा के बाद घर लौटे दामोदर पाटीदार, ग्रामीणों ने गांव में किया स्वागत

मनासा। तहसील क्षेत्र के ग्राम देवरी खवासा के निवासी दामोदर पाटीदार 20 वर्ष की सेवा पूरी कर वायुसेना से सेवानिवृत्त होकर सकुशल अपने गृह ग्राम लौटे। भोपाल से रिटायरमेंट के बाद गांव पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। लोडकिया फंटे से बस स्टैंड तक जुलूस निकाला गया। रास्ते में जगह-जगह मालाएं पहनाकर और आतिशबाजी कर उनका अभिनंदन किया गया। दामोदर पाटीदार ने वर्ष 2005 से 2025 तक भारतीय वायुसेना में देश की सेवा की।

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र नीमच ने मनाया 41वां स्थापना दिवस, भव्य मेले के साथ हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

नीमच। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के ग्रुप केंद्र नीमच ने रविवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ अपना 41वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मेहता स्टेडियम में रंगारंग और भव्य मेले का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ ग्रुप केंद्र के डीआईजी सुरेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में कमांडेंट प्रमोद कुमार साहू, कमांडेंट विजय, कमांडेंट जितेंद्र कुमार गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, जवान एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

दो दिन चले रक्षाबंधन उत्सव पर 1000 से अधिक पवित्र रक्षासूत्र बांधा गया

- विधायक, नपा अध्यक्ष सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिकों ने ये राखी बंधवाई
- बच्चों व बड़ों सभी को सामुहिक दृष्टि एवं वृत्ति की पवित्रता की शपथ दिलाई गई

> इस कार्यक्रम में नगर के विधायक, नपा अध्यक्ष, कार्यपालिका व न्यायपालिका के वरिष्ठ उच्चाधिकारी, सी.आर.पी.एफ. के अधिकारीगण, डाक्टर्स, पत्रकार, समाजसेवी एवं अन्य प्रतिष्ठित नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर ब्रह्माकुमारी बहनों से उपदेश सुनकर ईश्वरीय रक्षासूत्र बंधवाया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित बच्चों व बड़ों से अपने दैनिक आचरण में दृष्टि वृत्ति व खानपान की शुद्धि के संकल्प धारण करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन बी.के.श्रुति बहन ने किया।

नवभारत न्यूज

नीमच। ''असुरक्षा, भय अथवा रक्षा का सीधा संबंध मनुष्य के मनोमस्तिष्क से है, वर्तमान मनुष्य की मनोस्थिती में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि विकार व्याप्त हैं, यही एकमात्र कारण है कि आज का विश्व असुरक्षा एवं भय से ग्रसित है तथा मनुष्य तनाव ग्रस्त, दुखी व अशांत जीवन जी रहा है । किन्तु वर्तमान विश्व परिवर्तन के पुरूषोत्तम संगमयुगी काल में स्वयं भू शिव परमात्मा इस धरा पर ब्रह्मातन के माध्यम से मनुष्य की दृष्टि एवं वृत्ति का शुद्धिकरण सत्य ईश्वरीय गीता ज्ञान एवं राजयोग की शिक्षा के माध्यम से कर रहे हैं । रक्षा बंधन पर्व दिव्य एवं अलौकिक है, इसे केवल भाई बहन के नाते से ही नहीं मनाया जाना चाहिए, यह तो ईश्वरीय शक्ति सम्पन्न रक्षासूत्र है जिसे हर मानव मात्र को पवित्र दृष्टि वृत्ति की प्रतिज्ञा लेकर अपनी कलाई पर बंधवाना चाहिए ।

यही पवित्र राखी मनोविकारों से रक्षा करेगी और महिलाओं के प्रति कुदृष्टि एवं बलात्कार आदि सभी समस्याओं से निजात दिला सकेगी।'' उक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्थान की सबझोन संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने नीमच के विशाल सद्भावना सभागार में आयोजित दो दिवसीय अलौकिक रक्षाबंधन पर्व पर उपस्थित जन समुदाय के सम्मुख व्यक्त किये ।इस अवसर पर संस्थान के सबझोन निदेशक बी.के.सुरेन्द्र भाई ने भी सभी को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाऐं व बधाई देते हुए कहा कि ''वर्तमान समय मनुष्य सभ्यता का अस्तित्व खतरे में है क्योंकि बड़े व शक्तिशाली देशों के राष्ट्र प्रमुख ही क्रोध व हिंसा की मानसिकता से ग्रस्त हैं ।

गुरुमुख से पंचखान संकल्प के बिना तपस्या सार्थक नहीं होती-अक्षय दर्शना

- साध्वी सौम्या दर्शना जी आदि ठाना 4 की महावीर जिनालय विकास नगर में चातुर्मास धर्म श्रृंखला प्रवाहित

नीमच। तपस्या करने से पूर्व मन से संकल्प लेना चाहिए तभी वह तपस्या पवित्र होती है और वह आत्मा को पवित्र करती है। सूर्य उदय से 48 मिनट पूर्व पंचखाण का संकल्प लेते हैं वही सही होता है। परमात्मा के प्रति श्रद्धा और विश्वास से ही हमें शक्ति मिलती है तभी हमारी तपस्या सफल होती है।गुरुमुख से तपस्या का संकल्प पंचखान नहीं ले तो वह तपस्या सार्थक नहीं होती है।यह बात साध्वी अक्षय दर्शना मसा ने कहीं। वे श्री जैन श्वेतांबर महावीर जिनालय ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति विकास नगर के तत्वाधान में साध्वी अक्षय दर्शना श्री जी मसा आदि ठाणा 4के चातुर्मास में आयोजित धर्म सभा में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि हम जब भी मंदिर दर्शन के लिए जाए तो एक माला मंदिर के मूल नायक भगवान की गिन्ना चाहिए इससे हमें नई ऊर्जा का संचार होता है। यदि हमारी भक्ति में शक्ति होती है तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और प्रसन्न मन रहें तो शत्रु भी मित्र बन जाता है।

साध्वी सोम्य दर्शना श्री जी महाराज साहब ने कहा कि सांसारिक व्यक्ति भी संयम का पालन कर अपने पापों से बच सकता है। सभी प्रकार की तपस्या करने से पूर्व पंचखान का संकल्प गुरु के मुख से लेना चाहिए तभी वह सार्थक होता है। हम किसी दिन पूजा नहीं करते हैं तो हम स्नान भी नहीं करते हैं तो हम अनेक जीवों को अभयदान देते हैं।

एक नजर | तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन घायलों की हालत गंभीर

बहन को लाने गए मामा-भांजे की सड़क हादसे में मौत

नवभारत न्यूज

नीमच। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नीमच जिले के रतनगढ़ थाना क्षेत्र में एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। डिकेन-सिंगोली मार्ग पर शनिवार शाम को हुए सड़क हादसे में मामा और भांजे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 3 लोग घायल भी हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाइक पर पांच लोग सवार थे।

सूठोली निवासी 50 वर्षीय रूपलाल बंजारा अपने बेटे उदयलाल (20), बहन ममता (25), भांजा कान्हा (7) और भांजी पार्वती (5) के साथ बाइक पर सवार थे। वे सभी रतनगढ़ के पास जेतपुरा गांव से राखी का त्योहार मनाकर लौट रहे थे।

नीमच सिंगोली रोड पर रामनगर के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार सेंट्रो कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने रूपलाल और उनके मासूम भांजे कान्हा को मृत घोषित कर दिया। ममता, पार्वती और उदयलाल की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रतलाम रेफर किया गया। गांव में हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया। जिस बहन को अभी कुछ देर पहले तक अपने भाई को राखी बांधनी थी, उसकी आंखों के सामने भाई और भांजे का शव पड़ा था।

सी.आर.पी.एफ ने शहीद के बलिदान को किया नमन

नवभारत न्यूज

नीमच। देश के अमर वीर शहीदों के आत्म-बलिदान को नमन कर कृतज्ञता प्रकट करना तथा उनके परिजनों को सर्वोपरि सम्मान देना, प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है, क्योंकि वीरों के बलिदान में परिवार का अति महत्वपूर्ण योगदान होता है। हमारी आने वाली युवा पीढ़ी को वीरों की शहादत के प्रति गौरव की अनुभूति होनी चाहिए । यह सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनका जज्बा आज के युवाओं में देश के लिए कुछ कर गुजरने की भावना पैदा करता है। स्मरण रहे कि कर्तव्य की बलि वेदी पर अपने प्राणों को सर्वस्व न्यौछावर करने वाले नीमच शहर के पास ग्राम लेवड़ा निवासी सीआरपीएफ के अमर वीर बलिदानी लांस नायक मेघराज सैनी की वर्ष 1991 में 75वीं बटालियन में तैनाती के दौरान आज ही के दिन शहादत हुई थी। उन्होंने 1990 के दशक में जब पंजाब में आतंकवाद अपने चरम पर था, वहां तरनतारन में आतंकवादियों से डटकर मुकाबला करते हुए माँ भारती की सेवा में अपने प्राणों को आहुति दी थी।